



मान्यवर महोदय,

सादर जय जिनेन्द्र,

बंधुओं, समाज में अनेक ज्वलंत समस्याएँ हैं। शिक्षा सम्बंधित, व्यापार सम्बंधित, विवाह सम्बंधित, युवतियों के सुरक्षा सम्बंधित, पारिवारिक तालमेल सम्बंधित, अल्पसंख्यकता के लाभ एवं अधिकार सम्बंधित समस्याएँ हैं। इन विषयों पर गहन अध्ययन व संशोधन कर भारतीय जैन संघटना विगत 30 वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक उत्थान के कार्यों का दायित्व निभा रही है व सक्रियता से कार्य कर रही हैं।

संघटना में पूर्व से ही सदस्य बनाने की प्रक्रिया न होने की वजह से, 'मैं इस संघटना का सदस्य हूँ' या 'यह संघटना मेरी है', ऐसा भाव आमतौर पर समाज बंधुओं में नजर नहीं आता। उपरोक्त भूमिका में बदल करने की दृष्टि से, संघटना को ज्यादा से ज्यादा स्थान पर स्थापित करना, ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाना, गाँव - गाँव, शहर-शहर में संघटना के चैप्टर तैयार करना, चैप्टर में सभी संप्रदाय के लोगों को सदस्य बनाना, जिससे 'यह संघटना अपनी है' के भाव का निर्माण हो सके। अतः यह आवश्यक है कि ये सभी इकाईयाँ (चैप्टर) एक संविधान के अनुरूप गठित होकर विधिवत कार्यक्रमों का सम्पादन करें। जिससे BJS के सभी कार्यक्रमों का लाभ घर - घर तक पहुँच सके।

इस हेतु BJS मुख्य कार्यालय द्वारा प्रत्येक इकाई (चैप्टर) हेतु संविधान का निर्माण किया गया है। यह संविधान क्या है? एवं कैसे संचालित होगा? तथा हर शहर या गाँव में समाज का प्रत्येक व्यक्ति कैसे जुड़ सकेगा? बड़े शहरों में 1 से अधिक शाखा का निर्माण कैसे हो सकेगा? इन सभी विषयों की जानकारी देने हेतु एक सभा का आयोजन किया गया है। इस सभा को संबोधित करने हेतु भारतीय जैन संघटना के पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

आपसे नम्र निवेदन है कि आपके परिवार के २१ वर्ष से अधिक के सभी सदस्य (पुरुष, महिला एवं युवा वर्ग) इस सभा में अवश्य उपस्थित हों एवं समाज उत्थान के कार्य में सहभागी बनें।

* सभा आयोजन *

दिनांक:

समय:

स्थान:

विनीत

.....